Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment	Entertainment & Event
Property	Hobbies & Interests
Business Opportunity	Services
Vehicles	Jewellery & Watches
Announcements	Music
Antiques & Collectables	Obituary
Barter	Pets & Animals
Books	Retail
Computers	Sales & Bargains
Domain Names	Health & Sports
Education	Travel
Miscellaneous	

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

चीन और नेपाल सीमा से लगे गुंजी गांव में वाईफाई सेवा शुरू

स्टेट बैंक भी दे रहा है कई ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ

राहत

वाईफाई लगने का कस्टम चौकी को भी मिल रहा है फायदा

विमल भट्ट। विशेष रिपोर्ट।

पिथौरागढ़। समुद्रतल से करीब गयारह हजार फीट की उंचाई पर स्थित चीन और नेपाल सीमा से लगे गुंजी गांव में वाईफाई सेवा शुरू कर दी गई है। बता दें कि गुंजी में भारतीय सेना ,आईटीबीपी ,एसएसबी , बीआरो व अन्य सुरक्षा एजेंसियों के कार्यालय है। वही दूसरी ओर इसके बाद सेना और अन्य इकाइयां पड़ती है। गुंजी में वाईफाई सेवा शुरू होने की वजह से सुरक्षा एजेंसियों को खासा फायदा मिलना तय है।

गुंजी में कुमाउं मंडल विकास निगम का अतिथि ग्रह है। यहां पर कैलाश यात्री और आदि कैलाश

यात्री आकर रुकते है। पहले यहां पर आने वाले यात्री संचार की व्यवस्था न होने से यत्रियों को संचार व अपने परिजनों से बात करने में खासी परेशानी झेलनी पड़ती थी।

वर्तमान में गुंजी में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा भी खुली हुई है। ऐसे में संचार सुविधा को भी ज्यादा फायदा मिलेगा। वही अब यहां पर वाईफाई सेवा के शुरू होने से नेट बैंकिंग व अन्य सेवाओं का लाभ अन्य ग्रमीण व स्थानीय लोग खासा फायदा ले रहे है।

गुजी में वाईफाई सेवा शुरू होने के बाद गुंजी के ग्रम प्रधान संगठन व गांव के ग्रमीणों ने खासा खुशी जाहिर की है। वही गुंजी में कस्टम विभाग की चौकी भी है वही वाईफाई लगने का फायदा कस्टम चौकी को भी मिल रहा है।

गुंजी में अब वाइफाई लगने से जरूरत के कामकाज आसानी से हो रहे है। इससे सीमा पर सूचना तंत्र को खासा बढ़ावा मिल रहा है। वह सूचना तंत्र के मजबूत होने से भारत चीन नेपाल सीमा पर बसे गांवों की जानकारी आसानी से मिल सकेगी। भारतीय सुरक्षा एजेंसियां उठा रही खासा लाभ। गुंजी के लोगों को संचार सेवा में खासा लाभ मिलने लगा है।

न्यूज डायरी

योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम के लिए यमकेश्वर पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री

संवाददाता ऋषिकेश। जनपद पौड़ी गढ़वाल के यमकेश्वर विकासखंड के अंतर्गत महायोगी गुरु गोरखनाथ महाविद्यालय बिथ्यानी में यूपी सीएम योगी तथा उत्तराखंड मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का तीन मई को प्रस्तावित कार्यक्रम है। जिसकी तैयारी के लिए स्वास्थ्य मंत्री डा. धन सिंह रावत बिथ्यानी पहुंचे। योगी आदित्यनाथ की माता से मुलाकात कर उन्होंने उनका आशीर्वाद लिया। उन्होंने तैयारियों के संबंध में बैठक ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समुचित व्यवस्था जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। बिथ्यानी में उन्होंने महाविद्यालय की छात्राओं से मुलाकात कर पठन–पाठन की जानकारी ली। यमकेश्वर विधानसभा के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री ने प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

लाइव पेंट किए गए मास्टरपीस को देखने के लिए उमड़ी सैकड़ों लोगों की भीड़

संवाददाता देहरादून। बॉजोर इंडिया के वॉल आर्ट फेस्टिवल का आयोजन 28 अप्रैल से 1 मई तक देहरादून में किया गया। इस फेस्टिवल के दौरान, आगंतुकों ने बिल्डिंग के सामने के हिस्से को जीवंत तरीके से अलग–अलग आकर्षक रंगों में बदले जाने का आनंद उठाया। इस दीवार पर पेंटिंग करने का काम प्रतिभाशाली वॉल आर्टिस्ट रिकियो (एसकेआईओ) ने किया। दोपहर 11 बजे से शाम 5 बजे तक पहले तीन दिनों के दौरान पाइन हॉल स्कूल में आए आगंतुकों ने न सिर्फ एसकेआईओ की कलाकारी को देखा बल्कि उनसे दीवारों पर चित्रकारी करने की प्रक्रिया के बारे में भी बातचीत की। 1 मई को पेन डी पाई, मसूरी रोड पर एसकेआईओ की ओर से भित्ति चित्रों और दीवार पर कलाकारी संबंधी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

सोनी सब की हसीना मलिक ऊर्फ मैडम सर कैसे बनीं हर छोटे बच्चे की प्रेरणा

संवाददाता देहरादून। सोनी सब के 'मैडम सर' ने अपने लॉन्च से ही प्रमुख मुद्दों को अपनी कहानी में शामिल करके उन पर रोशनी डाली है और यह एक मजबूत संदेश देता आया है। अपने आगामी एपिसोड में भी यह एक बार फिर से उत्पीड़न की एक महत्वपूर्ण कहानी लेकर आ रहा है और दिखा रहा है कि यह किसी को किस तरह लंबे समय तक प्रभावित कर सकती है। वर्तमान में उत्पीड़न और बच्चों के मस्तिष्क पर पड़ने वाला इसके प्रभाव के बारे में खुलकर बात होती है, लेकिन शोषण जारी है। हसीना को एक नया केस मिलता है, जिसमें एक टीनेजर अमृता परीक्षा में परफॉर्मेंस को लेकर जबरदस्त दबाव की वजह से खुदकुशी के इरादे से नींद की गोलियां खा लेती हैं।

कोरोना को लेकर उत्तराखंड में भी बरती जा रही सख्ती

संवाददाता बागेश्वर। उप्र व दिल्ली में बढ़ते कोरोना को लेकर उत्तराखंड में भी सख्ती बरती जा रही है। पर्यटन सीजन पीक पर होने की वजह से बाहरी राज्यों से लोगों का आना काफी बढ़ गया है। ऐसे में कोरोना फैलने का भी खतरा है। इसी के मद्देनजर मास्क को अनिवार्य कर दिया गया है। नियम तोड़ने पर जुर्माने भी लगाया जा रहा।

कोविड–19 को लेकर सरकार ने फिर से गाइडलाइन जारी कर दी है। जिलाधिकारी ने भी मास्क और शारीरिक दूरी नियम अनिवार्य कर दिया है। गाइडलाइन का पालन नहीं करने वालों पर पांच सौ से लेकर एक हजार रुपये का जुर्माना भी तय कर दिया है। जिलाधिकारी विनीत कुमार ने कहा कि वैश्विक महामारी कोविड–19 से संक्रमितों में वृद्धि हो रही है। प्रभावी रोकथाम जरूरी है। प्रत्येक व्यक्ति के लिए पूर्व की भांति सार्वजनिक स्थलों, प्रतिष्ठानों, घर के बाहर मास्क, गम्छा, रुमाल, दुपट्टा, स्कार्फ आदि अनिवार्य कर दिया गया है। सार्वजनिक स्थानों पर थूकना आदि भी प्रतिबंधित रहेगा। बताया कि उत्तराखंड राज्य महामारी कोविड–19 की गाइडलाइन का पालन नहीं करना दंडनीय अपराध है। ऐसे लोगों से 500 से 1000 तक जुर्माना वसूला जाएगा।

नहीं हो रहा गाइडलाइन का पालनः शहर से लेकर गांव तक कोविड गाइडलाइन का पालन नहीं हो रहा है। शादी–विवाह, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में लोग बिना मास्क के घूम रहे हैं। शारीरिक दूरी नियम भी तार–तार हो रहा है।

करण महरा का कार्यकर्ताओं ने मालाओं व गुलदस्ता भेंट कर किया स्वागत

संवाददाता पुरोला। प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार यमुना घाटी भर्मण पर पुरोला पँहुचे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करण महरा का कार्यकर्ताओं ने मालाओं व गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। लोकनिर्माण के अतिथिगृह में कार्यकर्ताओं के साथ भेंटवार्ता कर उन्होंने कार्यकर्ताओं को संगठन को मजबूत बनाने सहित एक मजबूत विपक्ष की भूमिका को लेकर जनमुद्दों के लिए एकजुट रहने की अपील की। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष हरिमोहन नेगी,जिलाध्यक्ष राजेन्द्र राणा,ब्लॉक अध्यक्ष किसन सिंह,दिनेश खत्री,रोजी सिंह सौंदाण,जयेंद्र सिंह रावत,रेखा जोशी,सुर्ती लाल आदि मौजूद रहे।

जंगल में आग लगाते व्यक्ति को वन कर्मियों ने दबोचा, मुकदमा दर्ज

आरोपित को तत्काल गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया

संवाददाता रामनगर। बढ़ती गर्मी में जंगलों में आग लगने का खतरा बना हुआ है। वन विभाग वनाग्नि रोकने के लिए गोष्ठियों के जरिए ग्रामीणों से सहयोग की अपील कर रहा है। बैलपड़ाव गांव में जंगल में आग लगा रहे एक ग्रामीण के मंसूबों को वन विभाग ने विफल कर दिया। आग लगाते हुए तत्काल आरोपित रंगे हाथ पकड़ा गया। वन कर्मियों ने आरोपित को तत्काल गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया।

तराई पश्चिमी वन प्रभाग के अंतर्गत बैलपड़ाव रेंज के खेमपुर गैबुआ बीट प्लाट एन 1 दाबका नदी में एक व्यक्ति को तड़के टीम के साथ गश्त कर रहे रेंजर संतोष पंत ने आग लगाने के दौरान पकड़ लिया। वन कर्मियों की सक्रियता से आग फैलने से पहले ही बुझा ली गई। तलाशी के दौरान आरोपित के पास से एक माचिस व एक लाइटर बरामद किया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम खेमपुर गैबुआ गांव निवासी कमलापति साती बताया। रेंजर संतोष पंत ने कार्यालय लाकर आरोपित से पूछताछ की।

कालाढूंगी थाने में आरोपित के खिलाफ डैमेज टू पब्लिक प्रॉपर्टी एक्ट 1984 व भारतीय वन अधिनियम 1927 व भारतीय दंड संहिता की धाराओं में अपराध पंजीकृत कर जेल भेजा जा रहा है। रेंजर पंत ने बताया कि उनकी टीम सुबह, शाम व दिन में जंगल व गांव से सटे नजदीकी क्षेत्रों में गश्त कर जंगल में आग लगाने वाले आराजक तत्वों पर नजर रख रही है।

उत्तराखंड में गर्मी के सीजन में जंगलों में आग की घटनाएं हर साल होती है। नमी की मात्रा, पिरूल के अलावा शरारती तत्वों द्वारा आग की घटना अंजाम दी जाती है। इसके लिए वन विभाग समय–समय पर जागरूकता अभियान भी चलाता है। पर अराजक तत्व मानते नहीं है। गर्मी में वन विभाग भी इनसे निपटने के लिए चौकन्ना रहता है। इसी क्रम में रामनगर में शुक्रवार को आग लगाते पकड़ा गया है। अधिकारियों ने कर्मियों को मुस्तैद रहने को कहा है।

महिलाओं को सशक्त बनाने के साथ आर्विकी में मिठास घोलेगी मधुशक्ति

संवाददाता पंतनगर। अग्रणी कृषि विज्ञान कंपनी, एफएमसी इंडिया ने आज गोविंद बल्लभ पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी (जीबी पंत विश्वविद्यालय) के साथ सहयोग की घोषणा की है। इस सहयोग के तहत मधुमक्खी पालन द्वारा ग्रामीण महिलाओं में उद्यमिता का विकास किया जाएगा तथा उन्हें अपना जीवन स्तर सुधारने व अपने परिवार के लिए सतत आय का सृजन करने में मदद की जाएगी। मधुशक्ति (मधु यानि शहद और शक्ति यानि महिलाओं की ऊर्जा) नामक यह परियोजना भारत में सतत विकास का एक अभिनव प्रयास है। यह परियोजना उत्तराखंड के ग्रामीण इलाकों में हिमायल पर्वत श्रृंखला की तराई के क्षेत्रों में तीन सालों तक चलेगी, जहां पर शहद का उत्पादन करने के लिए उपयोगी औषधियां और वनस्पतियां भरपूर मात्रा में हैं। उत्तराखंड की लगभग 53 फीसदी आबादी पहाड़ी इलाकों में रहती है, जिनमें से 60 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा के नीचे हैं।